Central assistance for promotion of Hathkargha in Rajasthan

*215. SHRI BHUPENDER YADAV: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that under instructions of the Central Government, the Government of Rajasthan had constituted a State Cell for promotion of Hathkargha;

(b) whether it is also a fact that Government has not yet sanctioned the related funds for the years 2012-13 and 2013-14 for the said scheme, if so, the reasons therefor; and

(c) whether Government would sanction the Central assistance to the Government of Rajasthan under the said scheme?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI): (a) No such instruction has been issued by Ministry of Textiles to States to set up a State Cell for promotion of Hathkargha.

(b) and (c) Question does not arise.

श्री भुपेंद्र यादवः सर, मैं आपके माध्यम से यह पूछना चाहता हूं कि बुनकर क्षेत्र जीविकोपार्जन के लिए देश का एक बहुत बड़ा क्षेत्र है। तो क्या केंद्र सरकार द्वारा इस क्षेत्र में जो काम कर रहे कामगार हैं, जो उनका परम्परागत हथकरघे का काम होता है, उसके लिए कोई राज्य सरकारों में उसके प्रोत्साहन के लिए, संरक्षण के लिए, उसके संवर्द्धन के लिए, उसके व्यापार को बढ़ाने के लिए, टेक्नोलॉजी को बढ़ाने के लिए किसी भी प्रकार की कोई नीति बनाई गई है और अगर नीति बनाई गई है तो क्या राज्य सरकारों को उसमें अनुपालन करने का आदेश केंद्र सरकार द्वारा दिया जाता है?

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानीः सर, माननीय सदस्य ने पूछा है कि हमारे जो हथकरघा बुनकर हैं, उनके संरक्षण के लिए राज्य सरकारों के माध्यम से क्या प्रयास किए जा रहे हैं? मैं बताना चाहती हूँ कि हैंडलूम रिज़र्वेशन ऐक्ट का एन्फोर्समेंट हम राज्य की सरकारों के साथ समन्वय में करते हैं। वर्तमान में 10 राज्यों में एन्फोर्समेंट मशीनरी काम कर रही है। माननीय सदस्य स्वयं राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं और वर्तमान में राजस्थान के जयपुर में यह केंद्र कार्य कर रहा है। हमारे हैंडलूम बुनकरों के संरक्षण के लिए पॉवरलूम का इंस्पेक्शन एन्फोर्समेंट डिपार्टमेंट से प्रदेश की सरकारों के साथ समन्वय में होता है।

श्री भुपेंद्र यादवः सर, इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा अगर कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है, तो इन 10 राज्यों में कितनी सहायता उपलब्ध कराई गई है और विशेष रूप से, क्या राजस्थान में भी कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Good. You have asked a specific question.

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानीः सर, इस समन्वय के आधार पर प्रदेश की सरकारों में जो एन्फोर्समेंट मशीनरी है, उसमें क्रियान्वयन के लिए जिन अधिकारियों को रखा जाता है, उनका जो भुगतान है, उसे हम प्रदेश की सरकार को केंद्र की सरकार के माध्यम से पहुँचाते हैं। यह काम 100 परसेंट सेंट्रल असिस्टेंस से होता है। राजस्थान की सरकार को साल 2011-12 तथा 2012-13 में इस संदर्भ में राशि पहुँचाई गई है। वर्ष 2013-14 की चुनौती यह रही है कि हमारे पास यूटिलाइज़ेशन सर्टिफिकेट्स उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, पेपर वर्क पूरा होने पर यह सहायता भी पहुँचाई जाएगी।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Very good. Both, questions and answers are specific and to the point. I think, all should follow this.

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः श्रीमान जी, भुपेंद्र यादव जी द्वारा एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल माननीय मंत्री महोदया से पूछा गया और इसका इतना easy, lightly और if I can use the word, * जवाब सरकार की तरफ से दिया गया। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, that word should be expunged.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, yes. The word is expunged. ...(*Interruptions*)... That is expunged. Don't say like this.

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः श्रीमान जी, यह हथकरघा का सवाल है। यह पूरे देश के वीवर्स से जुड़ा सवाल है। इसमें लाखों लोग employed हैं। जैसे, बिहार के मधुबनी में लोग पेंटिंग करते हैं, भागलपुर में लोग टसर का काम करते हैं, झारखंड के खूँटी आदि इलाकों में हथकरघा का काम होता है, इसी तरह गुजरात और राजस्थान के साथ-साथ पूरे देश में हथकरघे का काम होता है। भुपेंद्र जी द्वारा पूछे गए मूल प्रश्न का अर्थ मेरी समझ में यह आया कि हथकरघा को प्रमोट करने के लिए सरकार क्या कर रही है और उसकी क्या प्लानिंग है? इसका जवाब "हां" या "ना" में देना, मेरे हिसाब से ठीक नहीं है। यह हो सकता है कि आपकी ऐसी सोच हो।

श्रीमान जी, हथकरघा में लाखों लोग employed हैं। देश की अर्थव्यवस्था के ऊपर इसका बड़ा भारी इम्पैक्ट पड़ सकता है, क्योंकि इसका एक्सपोर्ट भी होता है। मेरा यह सवाल है कि क्या सरकार इस बारे में इंटरनेशनल एग्जिबिशन वगैरह करके देश तथा विदेश में हथकरघा प्रोडक्ट्स को प्रमोट करने के लिए कुछ कर रही है? अगर माननीय मंत्री महोदया चाहें, तो इसका जवाब दे सकती हैं, धन्यवाद।

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानीः उपसभापति जी, सर्वप्रथम मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहती हूँ। आपने उदारता दिखाते हुए मेरे उत्तर का और जिन्होंने प्रश्न किया है, उन माननीय सदस्य का जिस प्रकार से प्रोत्साहन किया, तो, as young Parliamentarians, we both – I think, I can also speak for my esteemed colleague, Shri Bhupender Yadav – are obliged and extremely grateful that you could bless us with your compliments.

---

* Expunged as ordered by the Chair.

In so far as the explicit question that has been posed to me by the hon. Member from RJD, let me bring to his notice that, yes, we are ensuring, through 28 Weaver Service Centres in the country and in conjunction with our weavers, बुनकरों के साथ design intervention, financial service, research — साथ ही बुनकर अगर चाहता है कि लूम की रिपेयरिंग में उसकी कोई सहायता की जाए, तो वे सहायता उपलब्ध करवाते हैं। उपसभापति जी, मैं यह भी कहना चाहूँगी कि भागलपुर, बिहार में भी एक Weaver Service Centre चलता है। देश भर में इन Weaver Service Centres के माध्यम से अब हमारी यह कोशिश है कि बुनकर और उनके परिवार में शिक्षा हेतु जो चुनौतियां हैं, उनको हम NIOS and IGNOU के साथ मिलकर पार कर पाएँगे। साथ ही हमने देश भर के विख्यात डिज़ाइनर्स से अपील की है कि वे बुनकरों से सीधा जुड़कर उनकी आय को बढ़ाने में हमारी सहायता करें। माननीय प्रधान मंत्री जी ने अगस्त, 2015 में 'India Handloom Brand' लांच किया। उपसभापति जी, मुझे बोलते हुए हर्ष होता है कि अगर आप 'India Handloom Brand' की मात्र अगस्त से लेकर मार्च तक की सेल को देखें, तो वह 15 करोड़ हुई है, जिसका सीधा लाभ हमारे बुनकरों को हुआ है और अप्रैल से लेकर जून तक 9.3 करोड़ की सेल इस ब्रांड के अंतर्गत हुई है, जिसका सीधा लाभ बुनकरों को पहुंचाया गया है। मैं आपके माध्यम से सदन के ध्यान में यह भी लाना चाहती हूं कि हैंडलूम सेक्टर में 760 करोड़ स्क्वेयर मीटर क्लॉथ सन् 2015-16 में हमारे बुनकर राष्ट्र को समर्पित कर पाए हैं, जो 5.7 परसेंट की वृद्धि का संकेत है।

श्रीमती विप्लव ठाकुरः सर, माननीय मंत्री महोदया आज पहली बार टेक्सटाइल का जवाब देने के लिए आयी हैं, इसलिए मैं यहां पर इनका स्वागत करती हूं। मैं माननीय मंत्री महोदया से कहना चाहती हूं कि उन्होंने बड़े विस्तार से बुनकरों के बारे में बताया। जैसे हमारे यहां पर कुल्लू की शॉल है, चम्बा का रूमाल है, वहां का हैंडीक्राफ्ट है, इसके अलावा भी कई ऐसी जगहें हैं जहां पर उनका अपना फेमस आर्टिकल बनाया जाता है, क्या उनको पेटेंट करने के लिए आप कोई ऐसी पॉलिसी ला रहे हैं, जिससे वर्ल्ड में उनकी कॉपी न हो सके? जैसे कुल्लू की शॉल्स या जो हिमाचल की शॉल्स हैं, वे लुधियाना में भी बनती हैं, पॉवरलूम्स पर भी बनती हैं, लेकिन नाम उनका कुल्लू की शॉल हो जाता है और लोग ऐसा समझ लेते हैं कि शायद यह कुल्लू की शॉल है। क्या इसके बारे में भी आप सोच रहे हैं? दूसरा, जो 7 तारीख को 'National Handloom Day' मनाया जा रहा है, उसके लिए आप क्या कर रहे हैं? क्या आप प्रदेशों के लोगों को यहां बुला रहे हैं या इसे अलग-अलग प्रदेश में कर रहे हैं, यह मैं जानना चाहती हूं।

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानीः सर, मैं माननीय सदस्या को उनके सुझाव और उनकी चिन्ता के लिए धन्यवाद देती हूं। I thank her also for the compliment and the good wishes that she has extended. Yes, she is right that there are concerns in the handlooms and the handicrafts sector that the uniqueness of the product needs to be tagged with the place of origin of that product. We are pursuing G.I. tags and we see to it that industries pursue it similarly in the handloom sector. In so far as what we are doing on the 7th of August, which will be the second National Handloom Day celebration, the main event will happen in Banaras, where we would not only be giving national awards to those who have done exemplary work in the sector, but,

for the first time, in fact, we would also be giving compliments to e-commerce sites which are connecting consumers directly with weavers. As I have said in the answer before, our intention is also to ensure, बुनकर की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उसके बच्चे पढ़-लिख जाएं। जब-जब हमने बुनकरों के साथ यह चर्चा की, उन्होंने कहा कि साधारणतः स्कूल के समय पर हम बच्चे को भेज नहीं पा रहे हैं अथवा हमारी आर्थिक क्षमता इतनी नहीं है कि उन्हें अच्छी शिक्षा दे पाएं, इसलिए भारत सरकार का NIOS, जो National Institute of Open Schooling है और IGNOU, जो उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित है, उनसे हमने निवेदन किया है कि आप विशेष रूप से बुनकरों के बच्चों और उनके परिवार की पढ़ाई के लिए हमारी मदद करें। उस समझौते को भी हम लोग 7 तारीख को करेंगे। जहां तक celebrations की बात है, मैं आज आपके माध्यम से कई सांसदों को भी धन्यवाद देना चाहूंगी, जिन्होंने 'I WearHandloom' के हैशटैग को काफी प्रचलित किया है, काफी समर्थन दिया है, उनमें कुछ सांसद इस सदन के भी हैं। मुझे लगता है कि यह भी देश भर के सेंटर्स में सेल्स को बुनकरों की उपस्थिति के साथ बढ़ाने का हमारा प्रयास है। यह celebration मात्र बनारस तक सीमित नहीं रहेगा, हमारे सभी सेंटर्स में भी इसको celebrate किया जाएगा।

श्रीमती विप्लव ठाकुरः ऐसा न हो कि उसके साथ हम अपनी ...**(व्यवधान)**... इसका भी ध्यान रखिएगा।

श्री उपसभापतिः श्री राम विचार नेताम।

श्री राम विचार नेतामः धन्यवाद उपसभापति महोदय, आज बुनकरों की जो समस्या है....

श्री उपसभापतिः आपके पास एक ही मिनट का समय है, इसलिए जल्दी से प्रश्न पूछ लीजिए।

श्री राम विचार नेतामः सर, माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में बहुत सारी बातों को रखा है, उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं, लेकिन पूरे प्रदेश में, खास करके छत्तीसगढ़ में जो स्थिति वहां के बुनकरों की है, वह बहुत ही खराब है। यह बच्चों के रहन-सहन, खान-पान, पढ़ाई-लिखाई से लेकर उनकी हेल्थ से जुड़ा हुआ मामला है। क्या भारत सरकार उनकी माली हालत को सुधारने की दिशा में कोई कारगर कार्रवाई कर रही है?

श्री उपसभापतिः सिर्फ आधे मिनट का समय बचा है।

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानीः सर, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, उसके उत्तर में, मैं बतलाना चाहती हूं कि छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक सर्विस सेंटर चलता है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over. ...(*Interruptions*)...